

रजिस्टर्ड

प्रेषक,

क्षेत्रीय सचिव,  
माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उ० प्र०,  
क्षेत्रीय कार्यालय, मेरठ।

सेवा में,

प्रबन्धक,

सनातनधर्म सरस्वती शिक्षा मंदिर  
हायस्कूल/इंटर स्कूल, आंकररवेड़ा  
मेरठ

पत्रांक-क्षे० का० मा० शि० प०/मान्यता/ 2356 दिनांक 8-11-05

विषय विद्यालय को इंटर स्कूल/इंटर मानविकी एवं वैज्ञानिक वर्ग नवीक की मान्यता

महोदय,

आपके विद्यालय के मान्यता के प्रकरण पर शासन ने विचारोपयुक्त इंटरमीडिएट शिक्षा संग्रोधन (अध्यादेश), 1987 के आठ 7.क (क) के अन्तर्गत आदेश प्रदान किया है कि विद्यालय को उक्त मान्यता का पत्र वर्ष 2007 की परीक्षा से सन्निहित किया जाय जब निम्नलिखित सूचना/प्रपत्र निरीक्षण अधिकारी के माध्यम से परिषद् कार्यालय में प्राप्त हो जाय। अतएव आप बांछित सूचना/प्रपत्र निरीक्षण अधिकारी के माध्यम से तत्काल प्रेषित करें, जिससे उक्त वर्ग/विषय की मान्यता का पत्र निर्गत करने संबंधी अप्रामाण्यता समाप्त की जा सके।

1-प्रबन्ध तंत्र का इस आशय का पारित प्रस्ताव कि उक्त वर्ग/विषय की मान्यता हेतु निजी धोतों से की जाने वाली अंशकालिक अध्यापकों के सेवायोजन व्यवस्था को अध्यापन कार्य के निमित्त स्वीकार किया जाता है इस हेतु किसी अनुदान की अपेक्षा न कर निजी धोतों से व्यय वहन किया जायेगा। प्रस्ताव निरीक्षक द्वारा प्रमाणित होना अनिवार्य है।

2-उक्त मान्यता हेतु नकद या बैंक प्रतिभूति के रूप में 5000+5000=10000/2 अर्पण (दस हजार) प्रतिभूति देय है यह प्रतिभूति निर्धारित सुरक्षित कोष प्राप्त कोष के अन्वया होगा। जमा धनराशि निरीक्षक के पत्र नाम बन्धक होना चाहिए।

(कि० प० उ०)

Seen  
D/B  
1/14/11  
22/12/20

विद्यालय के कर्तव्य विद्यार्थी को अपना सम्पत्ति के निम्न प्रकार पर :-

सम्पत्ति को केवल विद्यालय के नाम लिखा होने के संबंध में रजिस्ट्रेशन/संविदा ( काली) को प्रमाण मूल रूप में ।

1-सम्पत्ति के मूल्यांकन व खर्च का के संबंध में रजिस्ट्रेशन/संविदा प्रमाण मूल रूप में रजिस्ट्रार की कार्यवाही द्वारा प्रमाणित प्रतिनिधि ।

2-सम्पत्ति के खर्च रजिस्ट्रार एवं विद्यालय को के संबंध में रजिस्ट्रार की कार्यवाही द्वारा प्रमाण मूल रूप में रजिस्ट्रार की कार्यवाही द्वारा प्रमाणित प्रतिनिधि ।

3-यदि अपने पत्राचार के माध्यम से रजिस्ट्रार पर प्रमाण मूल रूप में लिखित प्रमाण के सम्पत्ति को कर्तव्य के नाम सम्पत्ति का विवरण सम्पत्ति का मूल्यांकन तथा खर्च का है । सम्पत्ति का प्रमाण के खर्च एवं विद्यालय से प्राप्त है । सम्पत्ति का निरीक्षण अधिकारी की लिखित अनुमति के बिना सम्पत्ति के मूल्यांकन एवं खर्च का प्रमाण मूल रूप में रजिस्ट्रार को प्रमाणित करी जायेगी, या स्पष्ट उल्लेख हो कर प्रमाण मूल रूप में नोटरी द्वारा प्रमाणित मूल रूप में हो ।

4-विद्यालय कर्म में प्राथमिक कर्तव्य सम्पत्ति है या अन्य कर्म में सम्पत्ति नहीं है । स्पष्ट किया जाय ।

5-विद्यालय में उपस्थित केस के विवरण के सम्पत्ति के संबंध में प्रमाण-पत्र मूल रूप में दिया जाय ।

6- \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

प० सं० क्ष० का० मा० वि० प०/मान्यता/ 2358-1

महाराष्ट्र  
राज्य  
विभाग  
01/11/05  
दिनांक 8-11-05

प्रतिनिधि जिला विद्यालय, सिरीस, देह को सूचना यह  
एवं इस आशय से प्रेषित है कि वे कृपया तदनुसार से रुम रु (र) पर  
अंकित प्राप्त कर क्रम X X X के सम्बन्ध में अपनी  
स्पष्ट व विवरणात्मक आख्या प्रेषित करें।  
(मा 2/150) = 00004-000

01/11/05

प्रेषक,

क्षेत्रीय सचिव,  
माध्यमिक शिक्षा परिषद  
क्षेत्रीय कार्यालय, मेरठ

सेवा में,

प्रबन्धक,  
सनातन धर्म सरस्वती शिशु मन्दिर इण्टर कालेज,  
कंकरखेड़ा, मेरठ

पत्रांक : मा0शि0प0/मान्यता /ने0/ 1243 दिनांक- 28/11/2011  
विषय: इण्टरमीडिएट परीक्षा के लिये ~~उच्च~~/अतिरिक्त वर्ग/~~विषय~~ की मान्यता के सम्बन्ध में ।  
महोदय,

शासन ने मान्यता समिति एवं समापति, माध्यमिक शिक्षा परिषद की संस्तुति के उपरान्त इण्टरमीडिएट शिक्षा (संशोधन) अधिनियम 1987 की धारा 7क(क)के अन्तर्गत आपके विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु मन्दिर इण्टर कालेज, कंकरखेड़ा, मेरठ को बालक/~~बालिका~~ विद्यालय के रूप में परिषद की वर्ष 2013 की इण्टरमीडिएट परीक्षा से निम्नलिखित वर्ग/विषय में सामान्य व विशेष प्रतिबन्ध के साथ ~~उच्च~~/अतिरिक्त वर्ग/~~विषय~~ में मान्यता इण्टरमीडिएट शिक्षा (संशोधन) अधिनियम की धारा 7क (क)के प्राविधानों के अधीन प्रदान किया है ।

#### सामान्य प्रतिबन्ध

- (1) इण्टरमीडिएट शिक्षा (संशोधन) अधिनियम 1987 की धारा 7क(क) के प्राविधानों के अन्तर्गत इस पत्र द्वारा नवीन वर्ग/विषय की प्रदत्त मान्यता को 11वीं कक्षा संचालित करने के पूर्व शिक्षा के प्रबन्ध की व्यवस्था, शिक्षण व्यवस्था, साज-सज्जा, शिक्षण सामग्री, प्रयोगशाला, भूमि/भवन, पुस्तकालय, प्राम्भूत, सुरक्षित कोष एवं आर्थिक स्थिति और अन्य प्रतिबन्धों की पूर्ति तथा विद्यालय के अनुशासन व प्रशासन की व्यवस्था कर जिला विद्यालय निरीक्षक को अवगत कराये ।
- (2) इस मान्यता-पत्र के निर्गत होने की तिथि से दो वर्ष के अन्दर ही जिला विद्यालय निरीक्षक एवं परिषद को 11वीं कक्षा संचालित करने की विधिवत् लिखित सूचना रजिस्टर्ड डाक द्वारा दी जाय अन्यथा प्रदत्त मान्यता स्वतः समाप्त समझी जायेगी ।
- (3) इस पत्र में अंकित विषयों के अध्यापनार्थ परिषद द्वारा निर्धारित न्यूनतम योग्यताधारी पात्र व्यक्ति को कार्य पर लगाया जाय ।
- (4) नियमानुसार एक ज्येष्ठ प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या की नियुक्ति की जाय । यह प्रतिबन्ध केवल इण्टरमीडिएट की नवीन मान्यता पर ही प्रभावी होगा ।
- (5) इस पत्र द्वारा प्रदत्त मान्यता की नवीन कक्षाएँ संचालित करने का समस्त व्यय प्रबन्धाधिकरण द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा तथा इण्टरमीडिएट शिक्षा (संशोधन) अधिनियम 1987 की धारा 7क(क) के समस्त प्राविधान यथावत लागू होंगे । इस निमित्त कोई अनुदान देय नहीं होगा ।

कृ0प0उ0

प्राप्त  
13-12-11

Seen  
20/11/2011  
20/12/20

विशेष प्रतिबन्ध

- (क) संस्थाधिकारी द्वारा मान्यता सम्बन्धी प्रस्तुत किये गये विवरण में यदि कोई सूचना/प्रमाण गलत अथवा मिथ्या पाया जाता है, अथवा कोई तथ्य छिपाया जाता है तो विद्यालय को प्रदत्त मान्यता निरस्त कर दी जायेगी, जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व प्रबन्धाधिकरण का होगा।
- (ख) विद्यालय का प्रबन्धतंत्र प्रत्येक तीन माह में विद्यालय में कार्यरत अध्यापकों एवं कर्मचारियों की सूची उनकी शैक्षणिक योग्यताओं के साथ परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायेगे, अन्यथा विद्यालय को प्रदत्त मान्यता प्रत्याहरित कर ली जायेगी।
- (ग)

वर्ग	प्रदत्त मान्यता का विवरण अनिवार्य विषय	वैकल्पिक विषय
इण्टर वाणिज्य	हिन्दी, अंग्रेजी, बहीखाता तथा लेखाशास्त्र, व्यापारिक संगठन पत्र व्यवहार एवं बाजार विवरणी, अधिकोषण तत्व, गणित तथा प्रारम्भिक सांख्यिकी, अर्थशास्त्र तथा वाणिज्य भूगोल अतिरिक्त वर्ग	

टिप्पणी - इस पत्र में अंकित समस्त सामान्य एवं विशेष प्रतिबन्धों की पूर्ति 6(छः)माह के अन्दर किया जाना आवश्यक होगा।

भवदीय  
क्षेत्रीय सचिव  
माध्यमिक शिक्षा परिषद  
क्षेत्रीय कार्यालय, मेरठ

पृष्ठांकन सं०: आई०सी०मान्यता / मे० /

- उपर्युक्त की प्रतिलिपि निम्नलिखित अधिकारियों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
- 1 जिला विद्यालय निरीक्षक, मेरठ।
  - 2 संभागीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, मेरठ।
  - 3 इन्टर परीक्षा अनुभाग, माध्यमिक शिक्षा परिषद, क्षेत्रीय कार्यालय, मेरठ।
  - 4 सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद, मुख्य कार्यालय, इलाहाबाद।

दिनांक-

क्षेत्रीय सचिव  
माध्यमिक शिक्षा परिषद  
क्षेत्रीय कार्यालय, मेरठ